web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, गुरुवार, 03 मार्च 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-04, अंक- 155

महत्वपूर्ण एवं खास

फिल्म समीक्षक जय प्रकाश चौकसे का निधन

इंदौर (आरएनएस)। जाने-माने फिल्म समीक्षक और फिल्म उद्योग को नजदीक से जानने वाले जयप्रकाश चौकसे का 83 साल की उम्र में निधन हो गया है। बुधवार शाम 5 बजे इंदौर में सायाजी के पीछे स्थित मुक्तिधाम में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। चौकसे के कई आलेख व फिल्म समीक्षा देश की प्रमुख फिल्म पत्रिकाओं व अखबारों में प्रकाशित हुई। कई पाठक उनके लेखन के मुरीद थे। पिछले हफ्ते उन्होंने अपने लोकप्रिय कॉलम परदे के पीछे की अंतिम किस्त लिखी थी। पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि चौकसे की अंत्येष्टि बुधवार शाम 5 बजे इंदौर में होगी। चौकसे के फिल्म जगत की कई हस्तियों से नजदीकी रिश्ते थे। कपूर परिवार और सलीम खान के परिवार के तो वह बहुत करीब थे। उनकी खास किस्म की फिल्म समीक्षा को बॉलीवुड में भी पसंद किया जाता था। जय प्रकाश चौकसे के आखिरी लेख की हेडलाइन कुछ इस प्रकार थी- प्रिय पाठको... यह विदा है, अलविदा नहीं, कभी विचार की बिजली कौंधी तो फिर रूबरू हो सकता हूं, लेकिन संभावनाएं शून्य हैं। जय प्रकाश चौकसे के जाने से उनके चाहने वाले काफी दुखी हैं। सोशल मीडिया पर जय प्रकाश चौकसे को श्रद्धांजलि दी जा रही है।

अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन का अंतर्राष्ट्रीय ड्रग रैकेट से कोई संबंध नहीं : एनसीबी

नईदिल्ली (आरएनएस)। अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को अंतर्राष्ट्रीय ड्रग साजिश से जोडऩे का कोई सबूत नहीं है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के विशेष जांच दल (एसआईटी) की जांच में यह तथ्य सामने आया है। सूत्रों के मुताबिक, इसके अलावा, एनसीबी के पास यह साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं था कि खान एक अंतर्राष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट का हिस्सा था। हालांकि संपर्क करने पर अधिकारियों ने इस मामले में कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया। उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि गोवा जाने वाले कॉर्डेलिया जहाज पर की गई छापेमारी में कुछ अनियमितताएं थीं। इस मामले की अभी भी एसआईटी जांच कर रही है। तत्कालीन मुंबई जोन के प्रमुख समीर वानखेड़े के नेतृत्व में एक एनसीबी टीम ने कॉर्डेलिया क्रूज यॉट पर छापा मारा था, जहां कथित तौर पर 2 और 3 अक्तूबर की दरम्यानी रात को कथित तौर पर एक ड्रग पार्टी चल रही थी। आर्यन खान और कुछ अन्य को टीम ने नशीली दवाओं की साजिश और ड्रग्स लेने के आरोप में हिरासत में लिया गया था।

ऑस्ट्रेलिया में बाढ़ से मरने वालों की संख्या 11 हुई

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया के पूर्वी राज्यों में बाढ़ से मरने वालों की संख्या 11 हो गई है, जिनमें से आठ मृतक क्वींसलैंड के हैं। न्यू साउथ वेल्स राज्य (एनएसडब्ल्यू) की पुलिस ने बुधवार को राज्य में बाढ़ से संबंधित तीसरी मौत की पुष्टि की। दक्षिण लिस्मोर में एक महिला का शव मिला। यह स्थान राज्य के सबसे अधिक बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में से एक है। क्वींसलैंड और उत्तरी एनएसडब्ल्यू में पिछले सप्ताह से तबाही मचाने वाले मौसम के इस सप्ताह भी जारी रहने की उम्मीद है। एनएसडब्ल्यू मौसम विज्ञान ब्यूरो (बीओएम) ने चेतावनी दी है कि बुधवार को हंटर और मेट्रोपॉलिटन, इलावरा, दक्षिण तट, सेंट्रल टेबललैंड्स और दक्षिणी टेबललैंड के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है, जिससे अचानक बाढ़ की स्थिति आ सकती है। इन क्षेत्रों में छह घंटे में कुल 80 से 120 मिमी बारिश होने अनुमान है।

विश्व ताइक्वांडो ने पुतिन से वापस ली ब्लैक बेल्ट की उपाधि

सियोल। विश्व ताइक्वांडो ने यूक्रेन पर रूस के लगातार हमलों के बीच रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मानद ताइक्वांडो ब्लैक बेल्ट की उपाधि वापस ले ली है। विश्व ताइक्वांडो ने रूस के यूक्रेन पर हमले को लेकर विरोध जताया है और इसकी कड़ी निंदा की है तथा इसे विश्व शांति के लिए एक गंभीर संकट बताया है। उल्लेखनीय है कि पुतिन को साल 2013 में ब्लैक बेल्ट की उपाधि दी गई थी। विश्व ताइक्वांडो ने रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर कहा, विश्व ताइक्वांडो यूक्रेन पर रूस के हमले की कड़ी निंदा करता है, जिस तरह से वहां आम लोगों की जान जा रही है, वो एक क्रूरता है। विश्व ताइक्वांडो का उद्देश्य हमेशा ही शांति और सहिष्णुता को बढ़ावा देना रहा है।

रूसी अटैक के बाद लगभग 17000 भारतीयों ने यूक्रेन बॉर्डर छोड़ा, अब तक 15 उड़ानों में 3352 लोग भारत लौटे

नई दिल्ली (आरएनएस)। यूक्रेन पर रूसी हमला होने के बाद से अब तक लगभग 17,000 भारतीयों ने यूक्रेन छोड़ दिया है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक इनमें से अब तक 15 उड़ानों में 3,352 लोग भारत भी लौट आए हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा, कि यूक्रेन छोडऩे वाले भारतीयों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। अब हम अनुमान लगाते हैं कि हमारी सलाह जारी होने के बाद से लगभग 17,000 भारतीय नागरिक यूक्रेन की सीमाओं को छोड़ चुके हैं।

अरिंदम बागची ने बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान, 6 उड़ानें भारत में उतरी हैं, जिससे भारत में लैंड हुई कुल उड़ानों की संख्या 15 हो गई है। इन उड़ानों से लौटने वाले भारतीयों की कुल संख्या 3,352 हो गई है। उन्होंने कहा कि अगले 24 घंटों में 15 उड़ानें निर्धारित हैं। इनमें से कुछ तो रास्ते में हैं।

बागची ने कहा कि भारतीय वायु सेना के विमान बुखारेस्ट (रोमानिया) से पहली सी-17 उड़ान के साथ ऑपरेशन गंगा में शामिल हो गए हैं, जिसके आज रात बाद में दिल्ली लौटने की उम्मीद है। बुडापेस्ट (हंगरी), बुखारेस्ट (रोमानिया) और रेजजो (पोलैंड) से आज 3 और आईएएफ उड़ानें शुरू की जाएंगी।

केरल पहुंचेंगे यूक्रेन से दिल्ली लौटे 180 छात्र- केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने बुधवार को कहा कि यूक्रेन से दिल्ली आये केरल के 180 विद्यार्थियों को चार्टर्ड विमान से केरल लाया जाएगा। विजयन ने ट्विटर पर कहा, केरल सरकार 180 विद्यार्थियों को एयर एशिया इंडिया की चार्टर्ड उड़ान में शाम चार बजे दिल्ली से कोच्चि लाएगी। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि यूक्रेन से स्वदेश लौटे सभी केरलवासी सुरक्षित घर पहुंचें। जिन्होंने अभी तक पंजीकरण नहीं कराया है वह नोरका से पंजीकरण कराएं। उन्होंने कहा, कीव में मौजूद सभी केरलवासी इस परामर्श पर अमल करें और निर्देशों के अनुसार शहर छोड़ें।

कीव से निकले छात्रों को आधे रास्ते से हंगरी बॉर्डर किया गया रवाना, दो छात्रों की हुई कानपुर वापसी- यूक्रेन में फंसे छात्रों की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। कीव से ट्रेन के रास्ते मुश्किलों को पार करते हुए रोमानिया बॉर्डर पहुंचे छात्रों को अब हंगरी बॉर्डर भेजा जा रहा है। बॉर्डर पर दो हजार से ज्यादा लोगों की भीड़ है। रोमानिया बॉर्डर पर भारी बर्फबारी के चलते छात्रों को हंगरी बॉर्डर भेजा जा रहा है। वहां लोगों के कैंप में रहने तक की जगह नहीं मिल पा रही है।

कानपुर के लाल बंगला की रहने वाली छात्रा आकांक्षा शुक्ला ने बताया कि रोमानिया बॉर्डर से अब उन्हें बस के जरिए हंगरी बॉर्डर भेजा जा रहा है। रोमानिया से हंगरी बॉर्डर की दूरी करीब 200 किमी है। इंडियन एबेंसी ने हंगरी बॉर्डर पहुंचने के लिए कहा है। बस से करीब 50 छात्र हंगरी बॉर्डर के लिए रवाना हुए हैं। इसे सुनने के बाद आकांक्षा के परिजनों की चिंताएं कम हुई हैं। वहीं छात्रों ने भी कीव से निकलकर थोड़ी राहत की सांस ली है।

यूक्रेन से कानपुर के 2 छात्र सकुशल घर वापस लौट आए हैं। कानपुर के विकास यादव ने यूक्रेन में फंसे थे। मंगलवार शाम को दिल्ली से लखनऊ एयरपोर्ट उतरे। उनके साथ लखनऊ के दो छात्र नदीम अख्तर, आकांक्षा चौरसिया, शाहजहांपुर की जया और गोंडा जिले के जियाद्दीन अंसारी भी लौटे हैं। वहीं,मंगला विहार निवासी निर्दोष यादव दिल्ली से देर रात कानपुर पहुंचे। दोनों छात्र यूक्रेन से एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे थे।

एनडीआरएफ़ ने यूक्रेन के लिए राहत सामग्री भेजी- राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ़) ने यूक्रेन के लिए राहत सामग्री भेजी है। एनडीआरएफ़ ने आज यूक्रेन के लोगों के लिए कंबल, स्लीपिंग मैट और सौर लैंप सहित अन्य राहत सामग्री भेजी। ये राहत सामग्री आज सुबह पोलैंड के लिए रवाना हुई उड़ान और दोपहर में रोमानिया के लिए रवाना हुई भारतीय वायु सेना की एक उड़ान के ज़रिए भेजी गई है।

युक्रेन में फंसे छात्रों के परिजनों से मिला भाजपा का प्रतिनिधि मण्डल-यूक्रेन में जारी संकट के बीच भाजपा द्वारा गठित प्रतिनिधि मंडलों ने बुधवार को यूक्रेन में फंसे बांदा जिले के 5 छात्रों के घर जाकर उनके परिजनों से मिल, उनका हालचाल जाना तथा उन्हें ढांढस बंधाते हुए छात्रों के सकुशल वापसी का भरोसा दिलाया। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी आनंद स्वरूप द्विवेदी ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि यूक्रेन में बुरी तरह फंसे भारतीय छात्रों को निकालने का काम ऑपरेशन गंगा के तहत किया जा रहा है। यूक्रेन में फंसे जनपद के 5 छात्रों के परिवारों से मिलने के लिए भाजपा जिला कार्यकारी अध्यक्ष संजय सिंह के नेतृत्व में पांच टीमें गठित की गई है।

सड़कदुर्घटना में दो की मौत, एक गम्भीर घायल

0 इनायतनगर और पूराकलंदर थाना क्षेत्रों में हुईं दुर्घटनाएं

अयोध्या (आरएनएस)। तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाने के चलते सडक़ हादसों में लोग जान गंवा रहे हैं। बुधवार को भी अलग अलग सडक़ हादसों में दो की मौत हो गई जबकि युवक गम्भीर घायल हुआ है। पहली घटना इनायत नगर थाना अंतर्गत कुचेरा बाजार के मीठे गांव के निकट हुई है। अयोध्या-रायबरेली मार्ग पर स्थित मीठे गांव के पास गन्ना लदी ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में बाइक सवार दो लोग आ गए। टक्कर में युवक की मौत हो गई। जबकि दूसरा घायल है। बताया जा रहा कि 22 वर्षीय रामानंद शर्मा पुत्र रामदास शर्मा और 18 वर्षीय जितेंद्र कुमार पुत्र बैजनाथ आयु निवासी ग्राम देवला थाना बल्दीराय जनपद सुल्तानपुर से बाइक से मीरपुर कांटे थाना रौनाही अपने भांजे के जन्मदिन में बीती रात लगभग 9:00 बजे जा रहे थे। मीठे गांव के पास गन्ना लदी ट्रैक्टर ट्राली की टक्कर लग गई। किसी ने हफसे की सूचना एम्बुलेंस सेवा 108 एंबुलेंस को दी। रात 10:40 बजे जिला चिकित्सालय लाया गया जहां इमरजेंसी ड्यूटी कर रहे डॉक्टर अनिल वर्मा ने रामानंद शर्मा को मृत घोषित कर दिया। शव को मोर्चरी में रखवा दिया। वहीं जितेंद्र पुत्र बैजनाथ को गंभीर चोटें आने के कारण भर्ती कर उपचार शुरू कर दिया गया। इनायत नगर पुलिस द्वारा घटना की जानकारी न होने की बात कही गई। ड्यूटी कर रहे फार्मेसिस्ट सर्वेश श्रीवास्तव ने मृतक का पोस्टमार्टम कराने को पुलिस मेमो कोतवाली नगर भेज दिया।

दूसरी दुर्घटना पूराकलंदर थाना क्षेत्र के लंगड़ा की चैकी के पास हुई। यहां एक युवक को तेज रफ्तार रोडवेज बस की टक्कर लग गई। हादसे के बाद आसपास के लोग मदद में पहुंचे। तत्काल जिला अस्पताल ले गए जहां हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने लखनऊ रेफर कर दिया गया। लखनऊ में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने अज्ञात रोडवेज के विरुद्ध दर्ज किया है।

पतंजलि क्रेडिट कार्ड एक करोड़ लोगों की पहुंच में होगा : रामदेव

हरिद्वार (आरएनएस)। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) और पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड (पीएएल) ने नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के साथ को-ब्रांडेड कॉन्टैक्टलेस क्रेडिट कार्ड के दो वैरिएंट लॉन्च किए हैं। बुधवार को पतंजलि अनुसंधान संस्थान में एक कार्यक्रम के तहत बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को क्रेडिट कार्ड भेंटकर इस योजना की शुरुआत की गई।

बाबा रामदेव ने कहा कि पतंजलि क्रेडिट कार्ड के रूप में आत्मनिर्भर भारत की नई प्रेरणा के साथ आज एक नया इतिहास व कीर्तिमान रचा जा रहा है। पतंजलि आत्मनिर्भर भारत की सबसे बड़ी प्रेरणा है। उन्होंने दावा किया कि पतंजलि क्रेडिट कार्ड बहुत जल्द 1 करोड़ लोगों की पहुंच में होगा। उन्होंने कहा कि उन्हें फॉलो करने वालों की संख्या लगभग 5 करोड़ हैं।

बाबा रामदेव ने बताया कि इस योजना के तहत कार्डधारक को 50 हजार से 10 लाख रुपये तक की क्रेडिट लिमिट, 10 लाख रुपये तक का दुर्घटना बीमा लाभ, पतंजलि के उत्पादों पर 5 प्रतिशत की विशेष छूट तथा अन्य कंपनियों उत्पादों पर छूट और रिवार्ड प्वाइंट का भी प्रावधान है। आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि देशवासियों को पहली बार ऐसा क्रेडिट कार्ड मिलने वाला है जो विविध स्वरूपों और आयामों के साथ जुड़ा होगा। आचार्य ने कहा कि पीएनबी के साथ पतंजलि प्रारंभ से जुड़ा रहा है। पतंजलि के सभी कर्मचारियों को को-ब्रांडेड कॉन्टैक्टलेस क्रेडिट कार्ड की सेवाओं से जोड़ा जाएगा।

कार्यक्रम में रूपे के चीफ रिलेशनशिप मैनेजर नलिन बंसल ने कहा कि देश में 70 से 80 करोड़ डेबिट कार्ड रूपे के माध्यम से संचालित हैं। किन्तु यदि हम क्रेडिट कार्ड की बात करते हैं तो यह आंकड़ा मात्र 7 करोड़ के आसपास है। पीएनबी के एमडी व सीईओ आदित्य नाथ दास ने कहा कि यहां पंजाब नेशनल बैंक, पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड तथा नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया का सामूहिक प्रयास एक सुखद समागम है। जो स्वदेशी की परिकल्पना को चरितार्थ करता है। हम इस क्रेडिट कार्ड की योजना को एक अभियान की तरह लेकर चलेंगे।

इस अवसर पर पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड की ओर के ईडी पतंजलि आयुर्वेद रामभरत, राकेश शर्मा, सुरेंद्र शर्मा, वायडी आर्य, अनीता नैयर, केएन सिंह, पतंजलि योगपीठ की ओर से क्रय अधिकारी अंशुल, संप्रेषण विभाग प्रमुख पारूल, ऋषि आर्य, भारत स्वाभिमान से मुख्य केंद्रीय प्रभारी राकेश कुमार, भरूआ सोल्युशन्स की ओर से मीनाक्षी, अंशुमन, पीएनबी क्रेडिट कार्ड की ओर से जीएम महेंद्र दोहरे, सखुजा, सुनील मीणा, सौरभ मारवा, अजय मायरा, एवीपी क्रेडिट कार्ड सलिल सेठ, विकास आनंद आदि शामिल रहे।

तीन वर्षों में 95 हजार 643 सिंचाई पम्पों को दिए गए बिजली कनेक्शन

0 60 हजार 197 सिंचाई पंपों को स्थाई तथा 35 हजार 446 पंपों को दिए गए अस्थाई बिजली कनेक्शन

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देशानुसार प्रदेश में किसानों के सिंचाई पम्पों को बिजली कनेक्शन देने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। पिछले तीन वर्षों में 95 हजार 643 सिंचाई पम्पों को बिजली कनेक्शन दिए गए हैं। इनमें से 60 हजार 197 स्थाई कनेक्शन तथा 35 हजार 446 अस्थाई बिजली कनेक्शन दिए गए हैं।

राज्य सरकार द्वारा कृषि पंप ऊर्जीकरण योजना के अंतर्गत विद्युत लाईन के विस्तार के लिए प्रति पंप एक लाख रूपए का अनुदान दिया जा रहा है। पूर्व में दिए गए बिजली कनेक्शनों को मिलाकर वर्तमान में लगभग 5 लाख 81 हजार से अधिक कृषि पंपों को स्थाई एवं अस्थाई बिजली कनेक्शन दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पिछले वर्ष 1 जनवरी की स्थिति में बिजली कनेक्शन के लिए लंबित 35 हजार 161 कृषि पंपों को बिजली कनेक्शन देने के निर्देश अधिकारियों को दिए थे। विद्युत वितरण कंपनी द्वारा 30 नवम्बर 2021 तक इनमें से 23 हजार 985 पंपों को कनेक्शन दे दिए गए हैं। शेष पंपों को चालू वित्तीय वर्ष के अंत तक बिजली कनेक्शन देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

राज्य शासन द्वारा किसानों को उनके बिजली बिलों में राहत देने के लिए कृषक जीवन ज्योति योजना संचालित की जा रही है। इस योजना के तहत 3 हार्स पावर तक के सिंचाई पंपों को बिजली बिल में 6000 यूनिट प्रति वर्ष तथा 3 से 5 हार्स पावर तक के कृषि पंपों के बिजली बिल में 7500 यूनिट प्रतिवर्ष छूट दी जा रही है। इसके अलावा किसानों को फ्लेट रेट पर बिजली प्राप्त करने का विकल्प भी दिया गया है।

राज्य शासन द्वारा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के किसान के लिए विद्युत खपत की कोई सीमा नहीं रखी गई है। इन वर्गों के किसानों द्वारा खेती में उपयोग की जा रही पूरी बिजली नि:शुल्क रखी गई है। वर्तमान में कृषक जीवन ज्योति योजना से प्रदेश के 5 लाख 81 हजार किसान लाभान्वित हो रहे हैं।

भारत और अमेरिका ने आपसी रक्षा सहयोग को मजबूत करने आगरा में 19वीं सैन्य सहयोग बैठक की

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत-अमेरिका सैन्य सहयोग समूह (एमसीजी) की 19वीं बैठक 01-02 मार्च, 2022 को उत्तर प्रदेश के आगरा में आयोजित की गई। भारत की ओर से चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी (सीआईएससी) के अध्यक्ष के लिए एकीकृत रक्षा स्टाफ के प्रमुख एयर मार्शल बीआर कृष्णा और अमेरिका की ओर से यूएस इंडो-पैसिफिक कमान के डिप्टी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल स्टीफन डी स्क्लेंका ने इस बैठक की सह-अध्यक्षता की। इस बैठक में दोनों पक्षों के बीच हुई चर्चा रक्षा संबंधों को मजबूत करने पर केंद्रित थी। इसके अलावा मौजूदा सहयोग प्रणाली के दायरे में नई पहलों को शामिल करने पर भी विचार किया गया।

भारत-अमेरिका एमसीजी मुख्यालयों, एकीकृत रक्षा कर्मचारी और यूएस इंडो-पैसिफिक कमान के बीच रणनीतिक व परिचालन स्तरों पर नियमित बातचीत के जरिए दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग की प्रगति के लिए स्थापित एक मंच है।

कोयला मंत्रालय कोयला गैसीकरण पर पोस्ट-बजट वेबिनार कर रहा है आयोजित

नई दिल्ली (आरएनएस)। कोयला गैसीकरण और कोयले को तकनीकी तथा वित्तीय व्यवहार्यता में शामिल उद्योग की स्थापना के लिए आवश्यक रसायनों में परिवर्तित करने के लिए चार पायलट परियोजनाओं' के बारे में वित्त मंत्री द्वारा 1 फरवरी 2022 को बजट भाषण में की गई घोषणाओं के अनुपालन में कोयला मंत्रालय 4 मार्च, 2022 को एक वेबिनार का आयोजन कर रहा है। इस वेबिनार में उद्योग, शैक्षणिक समुदाय, अनुसंधान संगठनों के विशेषज्ञ और इंजीनियरिंग सलाहकारों के साथ-साथ व्यवसायी, राज्य सरकार के अधिकारी तथा अन्य हितधारक नीति निर्माताओं के साथ मिलकर कोयला मंत्रालय के गैसीकरण मिशन को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए आगे के रास्ते के बारे में विचार-विमर्श करेंगे। हितधारक संगठनों के लगभग पचास विशेषज्ञ इस वेबिनार में सक्रिय रूप से भाग लेंगे और विचार-विमर्श करेंगे जिसमें कोयला मंत्रालय के सचिव डॉ. अनिल कुमार जैन सभापति (माडरेटर) होंगे। इस वेबिनार का उद्देश्य निम्नलिखित विषयों पर विचार-विमर्श करना है:-

ए. कोयले की उपलब्धता सुनिश्चित करना

बी. संचालन का अर्थशास्त्र/नीतिगत सहायता

सी. गैसीकरण उत्पादों का विपणन

डी. निवेशक परिप्रेक्ष्य: सार्वजनिक और निजी क्षेत्र

ई. गैसीकरण के लिए स्वदेशी प्रौद्योगिकी का विकास

एफ. कोयले से ब्लू हाइड्रोजन (कोयला गैसीकरण + सीसीयूएस)

भारत में कुल 307 बिलियन टन थर्मल कोयले का भंडार है और उत्पादन किए गए लगभग 80 प्रतिशत कोयले का थर्मल विद्युत संयंत्रों में उपयोग किया जाता है। कोयला एक ऐसा संसाधन है जिसकी भारत में पर्याप्त उपलब्धता है। देश पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ तरीके से ऊर्जा उत्पादन के अलावा अन्य उद्देश्यों के लिए भी कोयले का उपयोग करने का इरादा रखता है। जलवायु परिवर्तन और नवीकरणीय ऊर्जा के विकास पर वैश्विक चिंताओं के साथ-साथ कोयले के सतत उपयोग के लिए इसके विविधीकरण की देश के भविष्य के लिए पहचान की गई है। कोयला गैसीकरण को एक स्वच्छ विकल्प माना जाता है, जो कोयले के रासायनिक गुणों के उपयोग की सुविधा

प्रदान करता है। कोयले से उत्पादन की गई सिन गैस का हाइड्रोजन (ब्लू हाइड्रोजन के साथ-साथ सीसीयूएस), स्थानापन्न प्राकृतिक गैस (एसएनजी या मीथेन), डाई-मिथाइल ईथर (डीएमई), तरल ईंधन जैसे मेथनॉल, इथेनॉल, सिंथेटिक डीजल और मेथनॉल डेरिवेटिव, ओलेफिन, प्रोपलीन, मोनो-एथिलीन ग्लाइकोल (एमईजी) जैसे रसायन अमोनिया सहित नाइट्रोजन उर्वरकों, विद्युत उत्पादन सहित डीआरआई और औद्योगिक रसायनों के उत्पादन में उपयोग किया जा सकता है। ये उत्पाद आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत आत्मनिर्भरता की ओर बढऩे में मदद करेंगे। उपरोक्त उद्देश्य के अनुरूप, कोयला मंत्रालय ने कोयला गैसीकरण के लिए पहल की है और इसने वर्ष 2030 तक 100 मीट्रिक टन कोयला गैसीकरण का लक्ष्य हासिल करने के लिए राष्ट्रीय मिशन दस्तावेज तैयार किया है। कोयला गैसीकरण को प्रोत्साहित करने वाली नीति कोयला ब्लॉक नीलामी में राजस्व हिस्सेदारी में छूट प्रदान करती है और इसके लिए जुड़ाव भी उपलब्ध कराती है।

वर्तमान में, जेएसपीएल इस नीति के कार्यान्वयन में सबसे उन्नत चरण में है। यह मूविंग बेड/फिक्स्ड बेड ड्राई बॉटम प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए अंगुल (ओडिशा) में गैस आधारित डीआरआई संयंत्र का संचालन कर रहा है। इस प्रौद्योगिकी में घरेलू हाई एश कोयला गैसीकरण का उपयोग किया जा रहा है जबकि तलचर फर्टिलाइजर लिमिटेड (टीएफएल) एंट्रेंड बेड टेक्नोलॉजी का उपयोग करते हुए यूरिया उत्पादन के लिए हाई एश घरेलू थर्मल कोयले में पेट कोक के मिश्रण के साथ निर्माणाधीन है। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने मेथनॉल और अमोनियम नाइट्रेट के वाणिज्यिक पैमाने पर उत्पादन हेतु चार परियोजनाएं स्थापित करने की योजना बनाई है। बीओओ आधार पर एजेंसी की नियुक्ति के लिए दो परियोजनाओं हेतु निविदाएं जारी की गई हैं।